भारत सरकार
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1737
जिसका उत्तर 05.12.2024 को दिया जाना है
भारतमाला परियोजना का कार्यान्वयन

1737. श्री अनुराग सिंह ठाकुर:
श्री नवसकनी के:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) भारतमाला परियोजना के अंतर्गत परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है और अब तक पूरे किए जा चुके राजमार्गों की लंबाई कितनी है और इस पर कितना व्यय किया गया है तथा क्या उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं;
(ख) भारतमाला परियोजना के अंतर्गत कुल कितने किलोमीटर राजमार्गों का निर्माण किया गया है और इससे कौन- कौन से क्षेत्र सर्वाधिक लाभान्वित हुए हैं;
(ग) चरण-I के अंतर्गत वर्तमान में कितनी परियोजनाएं विलंबित हैं और इस विलंब के क्या कारण हैं;
(घ) भारतमाला परियोजना के चरण-I और चरण-II की समय-सीमा और ब्यौरा क्या है;
(ङ) वर्तमान वित्त वर्ष के लिए भारतमाला परियोजना हेतु कुल कितना बजट आबंटन किया गया है;
(च) विगत तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में भारतमाला परियोजनाओं के लिए कितनी निधि आवंटित की गई है;
(छ) क्या भारतमाला परियोजना के कार्यान्वयन में सरकारी-निजी भागीदारी (पीपीपी) को प्रोत्साहित किया जा रहा है और यदि हां, तो चल रही पीपीपी परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;
(ज) कठिन भू-भागों में भारतमाला परियोजनाओं के कार्यान्वयन में क्या चुनौतियां हैं और इनसे निपटने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और
(झ) भारतमाला परियोजना के तहत अंतर-राज्यीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने और संभार संबंधी लागत को कम करने हेतु भविष्य के लक्ष्य क्या हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क), (ख) और (घ) भारत सरकार ने 2017 में देश में संपर्कता को बेहतर बनाने और लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए 34,800 किलोमीटर की लंबाई को कवर करने वाली भारतमाला परियोजना को मंजूरी दी थी। 31.10.2024 तक, कुल 26,425 किलोमीटर की लंबाई को कवर करने वाली परियोजनाओं को सौंपा गया है और 18,714 किलोमीटर का निर्माण किया गया है। भारतमाला के चरण-I के तहत परियोजना की प्रगति का राज्यवार विवरण अनुबंध में है। भारतमाला परियोजना के तहत एनएचएआई द्वारा 30.11.2024 तक कुल 4.72 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए।

(ग) निर्माण-पूर्व गतिविधियों में देरी, ठेकेदारों के सामने आने वाली वित्तीय कठिनाइयों, अप्रत्याशित घटनाओं और निर्माण सामग्री की कमी के कारण कुछ परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी हुई है। इन चुनौतियों से निपटने और परियोजना निष्पादन में तेजी लाने के लिए सरकार ने विभिन्न पहल की हैं। इनमें

भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और तेज करना, तेजी से वन और पर्यावरण मंजूरी की सुविधा के लिए परिवेश पोर्टल का पुनरुद्धार, रेलवे से सड़क ओवर ब्रिज (आरओबी) और सड़क अंडर ब्रिज (आरयूबी) के लिए सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) की ऑनलाइन मंजूरी को सक्षम करना और राज्य सरकारों सहित सभी हितधारकों के साथ विभिन्न स्तरों पर समीक्षा बैठकें आयोजित करना शामिल है।

(ड.) वर्ष 2024-25 के दौरान भारतमाला परियोजना (बीएमपी) के लिए अनंतिम बजटीय आवंटन, जिसमें बीएमपी परियोजनाओं (एनएचडीपी परियोजनाओं सहित) के लिए ऋण सेवा और वार्षिकी भुगतान शामिल हैं, लगभग 1,79,464 करोड़ रुपये है।

(च) भारतमाला परियोजना के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा अपनी निष्पादन एजेंसियों को कोई अलग से आवंटन नहीं किया जाता है। तथापि, पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तमिलनाडु राज्य में भारतमाला परियोजना सहित राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रखरखाव के लिए बजटीय आवंटन निम्नानुसार है:

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	आवंटन (करोड़ रुपए में)
1	2021-22	4,305
2	2022-23	8,230
3	2023-24	9,925
4	2024-25 (31.10.2024 तक)	5,249

(छ) सरकार ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने को प्राथमिकता दे रहा है। भारतमाला परियोजना के चरण-I के तहत दिए गए 26,425 किलोमीटर के परियोजना में से 11,677 किलोमीटर (पीपीपी) मोड के माध्यम से दिए गए हैं।

(ज) चुनौतीपूर्ण इलाकों में परियोजनाओं को लागू करने में कई कठिनाइयाँ आती हैं, जिनमें भूकंपीय हलचल, अस्थिर भूमि स्तर, भूस्खलन, हिमस्खलन, भारी वर्षा, बाढ़ और चक्रवात शामिल हैं। इन मुद्दों का समाधान करने के लिए, प्रासंगिक भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) कोड और दिशानिर्देशों के अनुसार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में उचित सुरक्षा उपायों को शामिल किया जाता है।

(झ) भारतमला परियोजना में कोई नई परियोजना शुरू करने का प्रस्ताव नहीं है।

अनुबंध

"भारतमाला परियोजना का कार्यान्वयन" के संबंध में श्री अनुराग सिंह ठाकुर और श्री नवसकनी के. द्वारा पूछे गए दिनांक 05.12.2024 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 1737 के भाग (क), (ख) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

राज्य	कुल लंबाई (किमी)	सौंपी गई लंबाई (किमी)	31, अक्टूबर 2024 तक निर्मित लंबाई (किमी)
आंध्र प्रदेश	2,525	1,936	994
असम	433	431	378
बिहार	1,572	1,159	641
छत्तीसगढ	571	471	221
दिल्ली	203	203	178
गोवा	26	26	26
गुजरात	1,577	1,194	923
हरियाणा	1,058	1,058	870
हिमाचल प्रदेश	167	167	113
जम्मू और कश्मीर	433	251	115
झारखंड	1,000	801	440
कर्नाटक	2,059	1,603	1,043
केरल	1,126	708	396
मध्य प्रदेश	3,063	2,017	1,407
महाराष्ट्र	3,029	2,174	1,837
मणिपुर	635	635	394
मेघालय	170	170	107
मिजोरम	593	593	451
नागालैंड	208	208	155
ओडिशा	1,586	967	871
पंजाब	1,764	1,553	603
राजस्थान	2,503	2,360	2,241
तमिलनाडु	2,414	1,476	1,185
तेलंगाना	1,719	1,026	746
त्रिपुरा	94	94	68
उत्तर प्रदेश	3,127	2,496	1,854
उत्तराखंड	273	264	146
पश्चिम बंगाल	874	385	314
कुल	**34,800**	**26,425**	**18,714**

*****